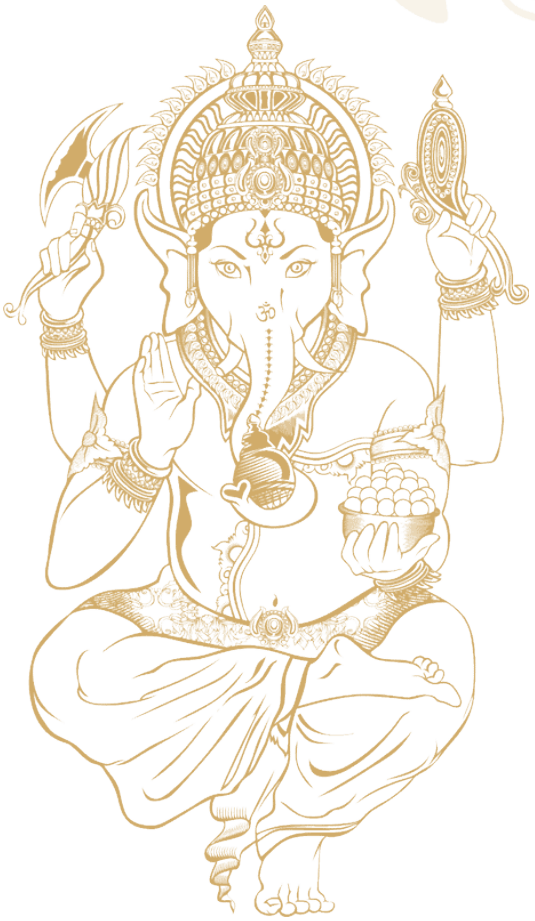

13

18 Oct 1992

05:15 AM

Champawat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121121306

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17-18/10/1992**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**05:15:00 घंटे**
इष्ट	57:36:31 घटी
स्थान	**Champawat**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:20:00 उत्तर
रेखांश	80:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:05:24 घंटे
वेलान्तर	00:14:40 घंटे
साम्पातिक काल	06:52:17 घंटे
सूर्योदय	06:12:23 घंटे
सूर्यास्त	17:37:11 घंटे
दिनमान	11:24:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:05:32 तुला
लग्न के अंश	17:41:05 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ङ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

राजेश जोशी

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	17:41:05	315:21:16	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
सूर्य			तुला	01:05:32	00:59:34	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			मिथु	15:55:31	13:38:14	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मिथु	24:05:51	00:24:39	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
बुध			तुला	21:33:07	01:22:30	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	07:47:41	00:12:26	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	04:06:35	01:12:59	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि			मक	18:03:44	00:00:12	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	00:38:11	00:03:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	00:38:11	00:03:11	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	नीच राशि
हर्ष			धनु	20:32:57	00:01:16	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप			धनु	22:32:02	00:00:40	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	28:00:47	00:02:12	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	18:15:59	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:39

लग्न-चलित

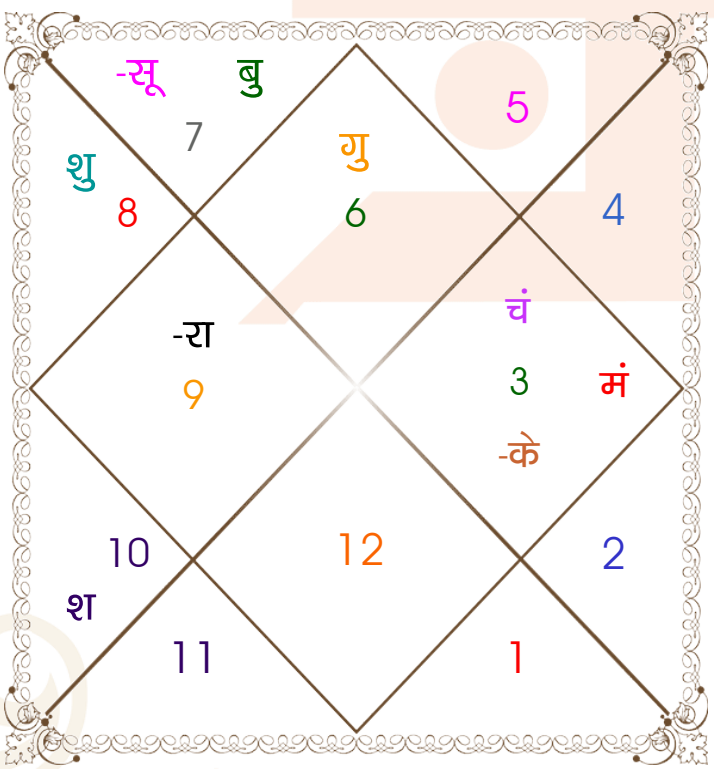

चन्द्र कुंडली

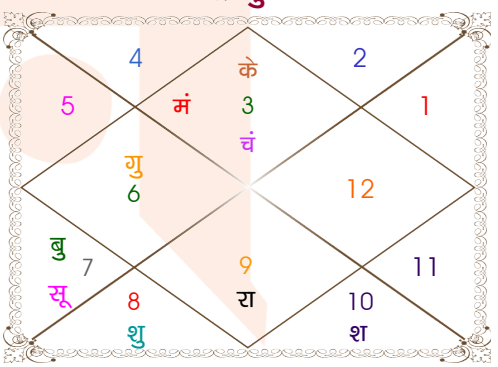

नवमांश कुंडली

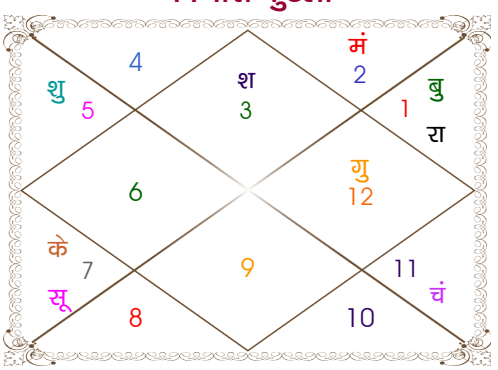

राजेश जोशी

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 6 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/10/1992		19/04/1998		19/04/2014		19/04/2033		19/04/2050	
19/04/1998		19/04/2014		19/04/2033		19/04/2050		19/04/2057	
	00/00/0000	गुरु	06/06/2000	शनि	22/04/2017	बुध	15/09/2035	केतु	15/09/2050
	00/00/0000	शनि	18/12/2002	बुध	31/12/2019	केतु	12/09/2036	शुक्र	15/11/2051
	00/00/0000	बुध	25/03/2005	केतु	08/02/2021	शुक्र	13/07/2039	सूर्य	22/03/2052
	00/00/0000	केतु	01/03/2006	शुक्र	09/04/2024	सूर्य	19/05/2040	चंद्र	21/10/2052
	18/10/1992	शुक्र	30/10/2008	सूर्य	22/03/2025	चंद्र	18/10/2041	मंगल	19/03/2053
शुक्र	06/11/1994	सूर्य	18/08/2009	चंद्र	22/10/2026	मंगल	15/10/2042	राहु	07/04/2054
सूर्य	01/10/1995	चंद्र	18/12/2010	मंगल	30/11/2027	राहु	04/05/2045	गुरु	14/03/2055
चंद्र	31/03/1997	मंगल	24/11/2011	राहु	06/10/2030	गुरु	10/08/2047	शनि	21/04/2056
मंगल	19/04/1998	राहु	19/04/2014	गुरु	19/04/2033	शनि	19/04/2050	बुध	19/04/2057

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
19/04/2057		19/04/2077		19/04/2083		19/04/2093		19/04/2100	
19/04/2077		19/04/2083		19/04/2093		19/04/2100		00/00/0000	
शुक्र	18/08/2060	सूर्य	06/08/2077	चंद्र	18/02/2084	मंगल	15/09/2093	राहु	01/01/2103
सूर्य	18/08/2061	चंद्र	05/02/2078	मंगल	18/09/2084	राहु	03/10/2094	गुरु	26/05/2105
चंद्र	19/04/2063	मंगल	13/06/2078	राहु	19/03/2086	गुरु	09/09/2095	शनि	01/04/2108
मंगल	18/06/2064	राहु	07/05/2079	गुरु	19/07/2087	शनि	18/10/2096	बुध	20/10/2110
राहु	19/06/2067	गुरु	24/02/2080	शनि	17/02/2089	बुध	15/10/2097	केतु	07/11/2111
गुरु	17/02/2070	शनि	05/02/2081	बुध	19/07/2090	केतु	13/03/2098	शुक्र	19/10/2112
शनि	19/04/2073	बुध	12/12/2081	केतु	17/02/2091	शुक्र	14/05/2099		00/00/0000
बुध	18/02/2076	केतु	19/04/2082	शुक्र	18/10/2092	सूर्य	18/09/2099		00/00/0000
केतु	19/04/2077	शुक्र	19/04/2083	सूर्य	19/04/2093	चंद्र	19/04/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 5 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।